

32/1378

10/11/2014



04DD 01H144



संयोजित द्वारा रूपय



विजय विलेज

विजय विलेज : 10.11.2014
 संयोजित द्वारा रूपय : 25000
 संयोजित द्वारा रूपय : 25000
 संयोजित द्वारा रूपय : 25000

रा. विजय विलेज विभाग, गणेश प्रसाद, फुलर बहादुर,
 मनोहरलाल, लालचंद पुत्रगण स्व. विष्णु व सुधरानी पत्नी एवं
 विष्णु, निवासी- साग देवायक, परगना-विजयनगर, तहसील व
 जिला लखनऊ जिले आगे विभागाध्यक्ष द्वारा गवाही,

संयोजित द्वारा रूपय
 संयोजित द्वारा रूपय

संयोजित द्वारा रूपय
 संयोजित द्वारा रूपय

संयोजित द्वारा रूपय

संयोजित द्वारा रूपय

संयोजित द्वारा रूपय

आदर्श विभाग, बल्लभ

दि. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98

श्री. 21/2/98

श्री. 21/2/98

401412012/

5000 + 40 = 5040

श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98

श्री. 21/2/98

श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98

श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98
श्री. 21/2/98



0400 013145

एम्पू मयान मुख श्री कैम, वर्तमान निवासी-254, मन्तलोक
कालोनी, अलीगंज, तहसील एवं स्थाई निवासी-ग्राम -मिर्जापुर
मिर्जापुर, पोस्ट-गौरी, मिला- फतेहपुर जिले आगे अंदा कला
मला है, के मध्य निष्पादित किया गया।

सा कि विवेकाण भूमि अन्तरा सं 257, रचना 0.754
हैक्टर, जिले ग्राम मुजफ्फर नगर मुजफ्फर, मयना-बिजौर,
तहसील व मिला तहसील, यह मालिक, कानित व कानित है
तथा अन्तराण सन्धिपित मल्लिकार्जुन साता कालोनी क्रम संख्या 189
के अनुसार जल भूमि विवेकाण के नाम पर अमल अन्तरा

सिद्धांत
अन्तराण अन्तरा
1992-2011
मिर्जापुर

मिला मिला

मिला मिला

मिला मिला

Abstract

२६६० विष्णु भगवत् चरित्र

— 154 —

9-12

David

$$\frac{F_{\text{max}}}{F_{\text{max}} - F_{\text{min}}} = H$$

49016

014 77 0041

2002

प्रश्न : यह प्रश्न के विषय
विषय : विषय के विषय

1000

9-12-04



0400 013745



राज्य अभिलेखों में हो रहा है। विज्ञानागम अपनी मूल भूमि
 केंद्रों को इस विषय में निरंतर द्वारा विज्ञान कर रहे हैं। विज्ञानागम
 अवस्था संपूर्ण भूमि के मालिक, परामित व कामिल है एवं वर्तमान
 राज्य में उभर भूमि यथेष्ट भूमि है, और यह कि विज्ञानागम यह
 भीचित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से
 मुक्त एवं साफ व साफ है तथा विज्ञानागम ने जहाँ इस विषय के
 पूर्व नहीं बंद, जिन्हा, निरती या अनुवर्धित इत्यादि

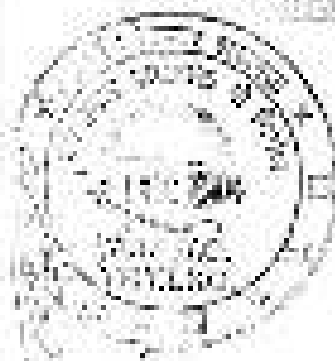
विज्ञानागम
 विज्ञानागम

विज्ञानागम
 विज्ञानागम

विज्ञानागम



04ED D13147



--

नहीं किया है। उक्त भूमि का उत्पन्न कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यालयों के अंतर्गत विवाद का वस्तु विवाद नहीं है, न ही कुर्ब इत्यादि है। निवेदनागण के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं निवेदनागण को उक्त विवाद अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उक्त सहायि के फलस्वरूप रु० 14,15,612/- (चौद लाख पचाह हजार छः सौ पचाह रुपये) के प्रतिफल में विस्तार कि उक्त भूमि द्वारा निवेदनागण की इस

प्रमाणित

प्रमाणित

प्रमाणित

प्रमाणित





0300 806573



- 3 -

विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि के अनुसार
 सुगमता कर दिया गया है एवं जिराकी बांधि को विकलांग्य का
 रजिस्टार करते हैं, तथापुनः उस विलेखमय दस्तावेज के तहत
 उपरोक्त वर्णित भूमि, विलेख विवरण इस विषय विलेख के अन्त
 में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को बहाल कर दिया है, एवं
 विकलांग्य ने विलेखशुद्ध भूमि का नक्का पर कब्जा करने को बलपूर्वी
 कर दिया गया है। अब उक्त आगामी पर विकलांग्य तथा उसके
 वारिसाण का कोई अधिकार नहीं है। विकलांग्य ने विलेखशुद्ध

मार्ग के प्रमाण
 अन्तर्गत २२/०५/२०१७

अन्तर्गत २२/०५/२०१७
 अन्तर्गत २२/०५/२०१७

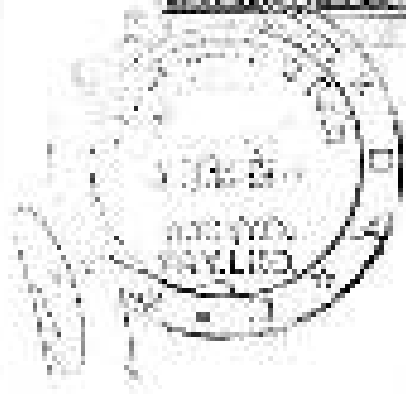
अन्तर्गत २२/०५/२०१७

अन्तर्गत २२/०५/२०१७

अन्तर्गत २२/०५/२०१७



0000 306674



- ii -

सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के साक्षात् अधिकारी के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए प्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब प्रेता विजयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कर्त्तव्य में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगी। विवेकाग्रता उसमें किसी प्रकार की अश्वेत बाधा नहीं डाल सकेगी एवं न ही कोई भंग कर सकेगी। और यदि विजयशुदा सम्पत्ति अपना कोई भाग विवेकाग्रता के स्वामित्व में बुद्धि के कारण या कानूनी अद्वयन या कानूनी बुद्धि के

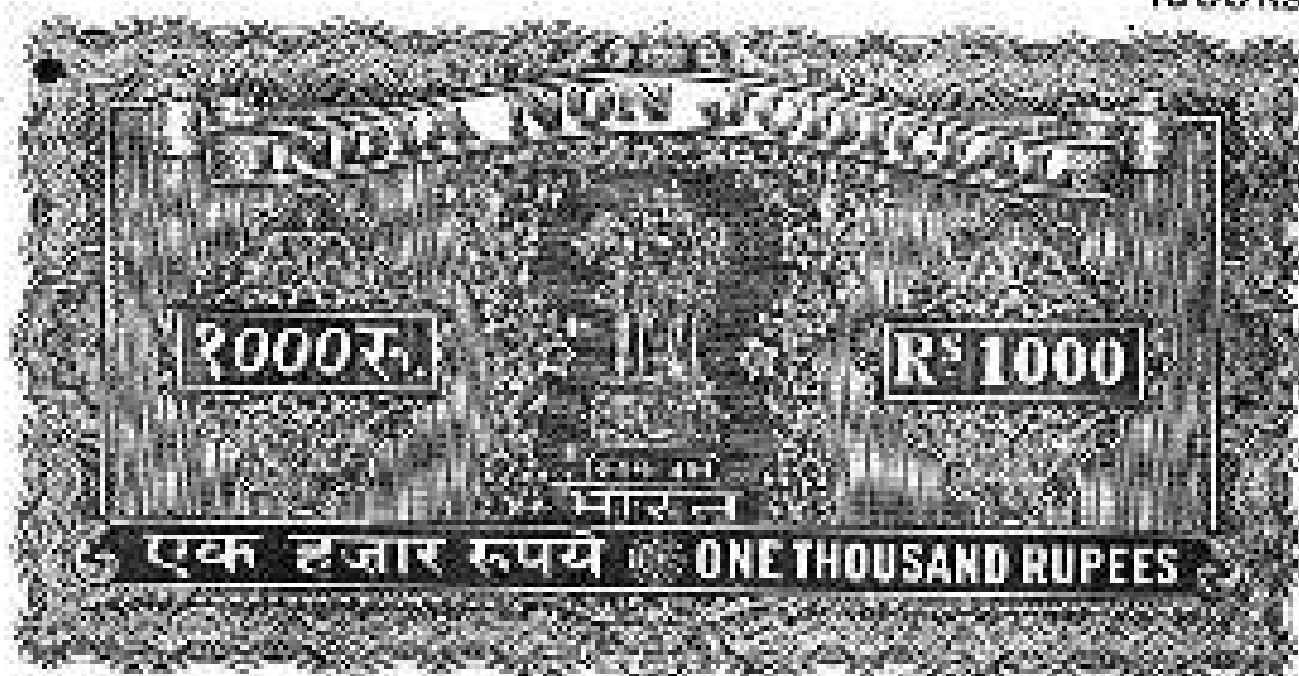
विजयशुदा
अभिहित करेगी

विजयशुदा
विजयशुदा

विजयशुदा



विजयशुदा



कारण होता था उसके चारिखान निष्पादकगण इत्यादि के कच्चे या अशुद्ध या खल से निकले जाने लगे होते उसके चारिखान, निष्पादकगण इत्यादि को यह एक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान स्वयं उठाए रखेंगे, विवेकागण की राय, अपने सम्पत्ति से जरिये आहतत वसूल कर लें। उस स्थिति में विवेकागण एवं उसके चारिखान एवं व रजर्जी को देना बाध्य होगा।

यह कि कौन निम्नरुद्ध सम्पत्ति की दायित्व खातिर सज्जन अमिलेखा में अपने नाम दर्ज कर लें ली विवेकागण को

निदेश प्राप्त
संज्ञा हर कोटि

उपस्थित

संज्ञा हर कोटि

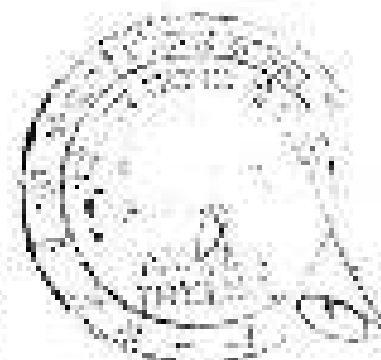
संज्ञा हर कोटि

संज्ञा हर कोटि

संज्ञा हर कोटि

संज्ञा हर कोटि

संज्ञा हर कोटि



कोई आपाति न होगी जोर यह कि इस निकल विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का साट इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विनिर्माणन भुगतान व महन करनेगा, विनिर्माणन को कोई आपाति न होगी।

इस कि उपरोक्त साटस गम्बर जाम मुजलफद गार मुलमत, अर्चनालीक क्षेत्र के विभिन्न ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरफिल रक २० ११,००,०००/- प्रती ऐक्टिवर के हिसाब से विक्रीत मुनि ०.७५४ इक्वेटेयर की कलिवल रक ८,२९,०००/-

गिरिधर आर
महेश्वर देवरा

३०/०५/२०२०

१०/०५/२०२०

१०/०५/२०२०

१०/०५/२०२०

१०/०५/२०२०



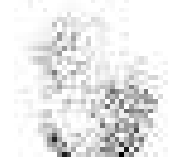
- 9 -

होती है। मुक्ति रिकवर्ड मुख्य, मुक्ति की गजाल मुख्य से अधिक है। इसलिए नियमानुसार रिकवर्ड मुख्य पर ही 200 1,41,600/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि अपरोक्त विज्ञापित मुक्ति मुक्ति के उपयोग के लिए कथ की जा रही है। इस मुक्ति में कोई कुराँ, माला, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 की के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है। विज्ञापित मुक्ति किसी लोक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विज्ञापित मुक्ति सुल्तानपुर से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है।

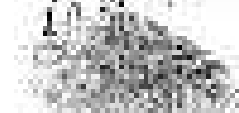
मुख्य अधिकारी
मुद्रांक विभाग
सुल्तानपुर

सुल्तानपुर
- 100 -

सुल्तानपुर



सुल्तानपुर



विश्लेषण व प्रस्तावों अनुमोदित करने के सदस्य हैं।
इस विषय विश्लेष के निवेदन का समस्त व्यव प्रस्ताव द्वारा प्राप्त
किया गया है।

परिशिष्ट : विवरण भूक-वस्तुदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा नं० 257, एकता 0.754 हेक्टेयर, स्थित ग्राम
कुवम्बर नगर बुसावत, परगना-मिर्जापुर, तहसील य जिला
लखनऊ, जिसकी चौकड़ी निम्न है।

खसरा नं० 257, एकता 0.754 हेक्टेयर

पूरुब	: खसरा संख्या-258
पश्चिम	: खसरा संख्या-256
उत्तर	: खसरा संख्या-256
दक्षिण	: खसरा संख्या-130, 131

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

कुल विजय भूत विवेकागण को रु० 14,15,612/- (पंद्रह
लाख पचास हजार छः सौ बाराह रुपये) द्वारा विवरण के प्रस्ताव से
प्राप्त हुए तथा जिसकी प्रति विवेकागण स्वीकार करते हैं।

श्री गुरु प्रसाद
महोदय, जिला

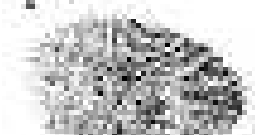
श्री गुरु प्रसाद

श्री गुरु प्रसाद

श्री गुरु प्रसाद

श्री गुरु प्रसाद

श्री गुरु प्रसाद



साक्षरता राह विज्ञान मात्र ही निरंतरतापूर्ण ने केंद्रों के पास में
सामग्री उपलब्ध बना किती जोर दिया हो, व व्यवस्था मिले व मल
की दशा में लिख दिया ताकि सज्ज रहें और आवश्यकता पड़ने पर
काम आये।

लखनऊ:

दिनांक: 08.12.2004

गया

Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh

2. डाकू-संख्या 100/04

Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh

विज्ञान

Dr. P. K. Singh
Dr. P. K. Singh

गसविदाकर्ता

Dr. P. K. Singh

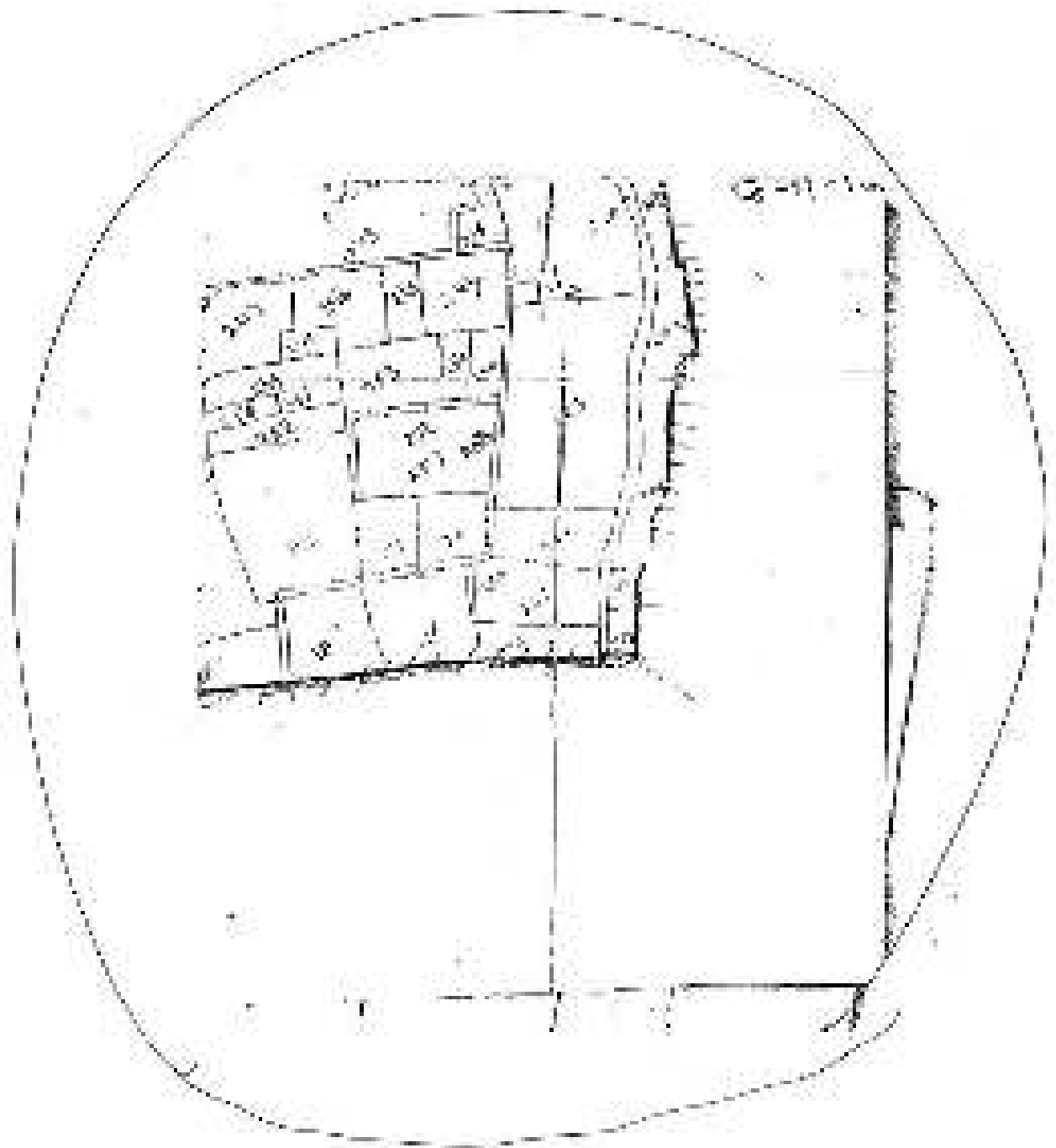
(विवाद टप्पन सिंह)

एडवोकेट

डा. प्रमोद

(राम लनेहा)

1. 1st part - 0.154 (2nd part - 0.154)
 2. 1st part - 0.154 (2nd part - 0.154)



0.154

1st part

0.154 (2nd part - 0.154)

0.154 (2nd part - 0.154)

0.154 (2nd part - 0.154)

0.154 (2nd part - 0.154)

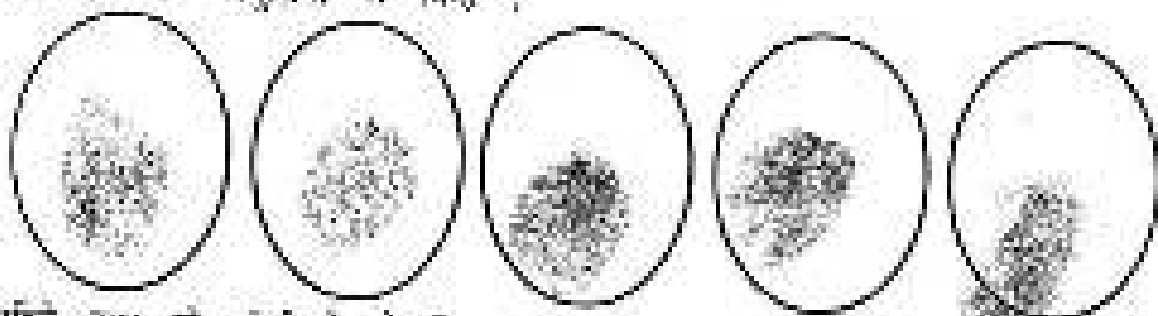
0.154 (2nd part - 0.154)

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिन्ट्स

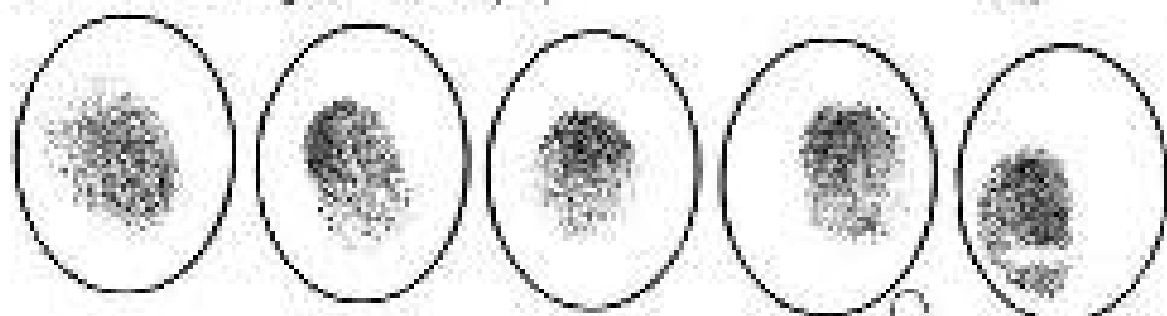
प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता : विनोद कुमार सिंह, देवा गढ़, जिला

बिजनौर, उत्तर प्रदेश

बाएँ हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :



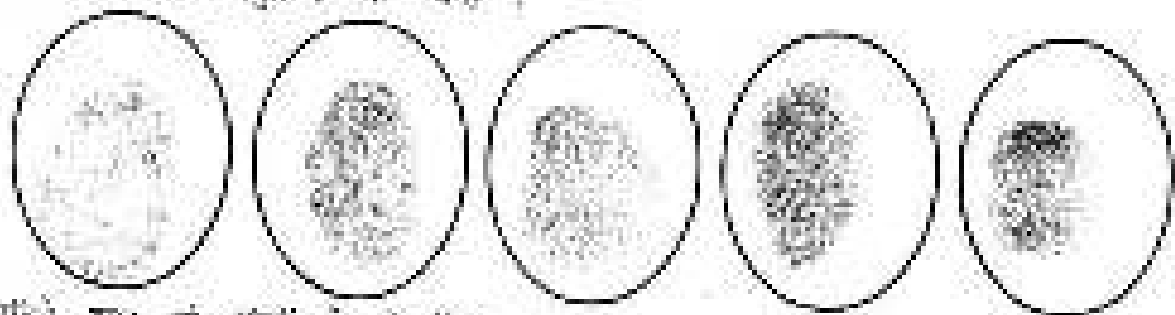
दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :



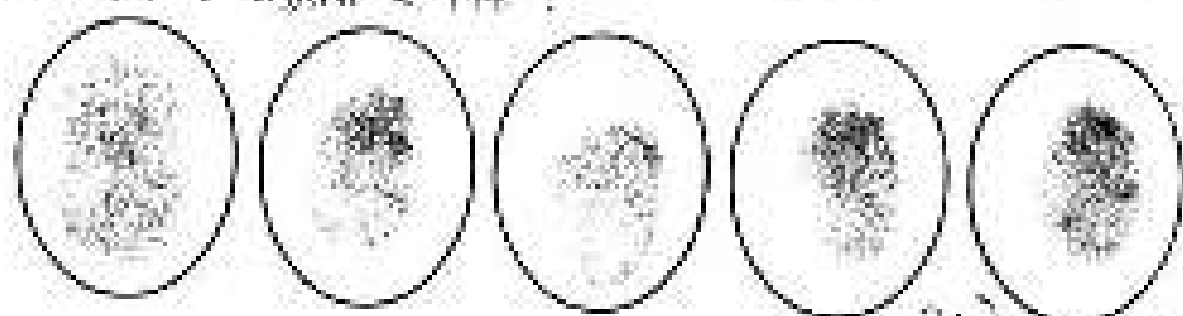
प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/व्यक्ति के हस्ताक्षर

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता : विनोद कुमार सिंह, देवा गढ़, जिला

बाएँ हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :

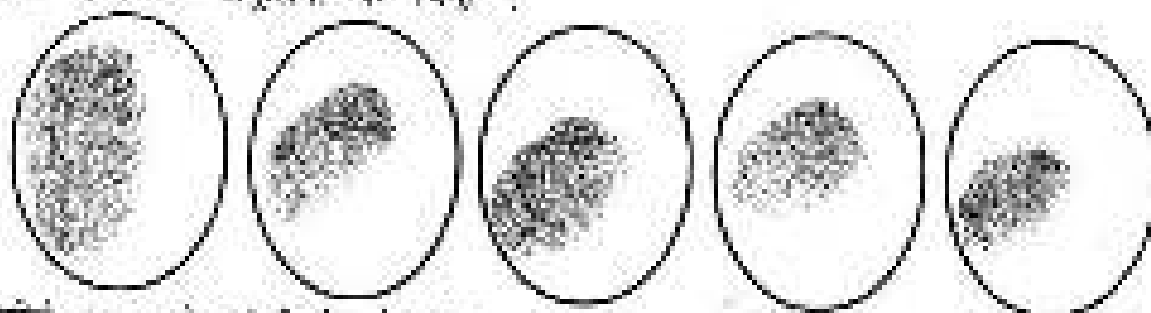


विनोद कुमार सिंह के हस्ताक्षर

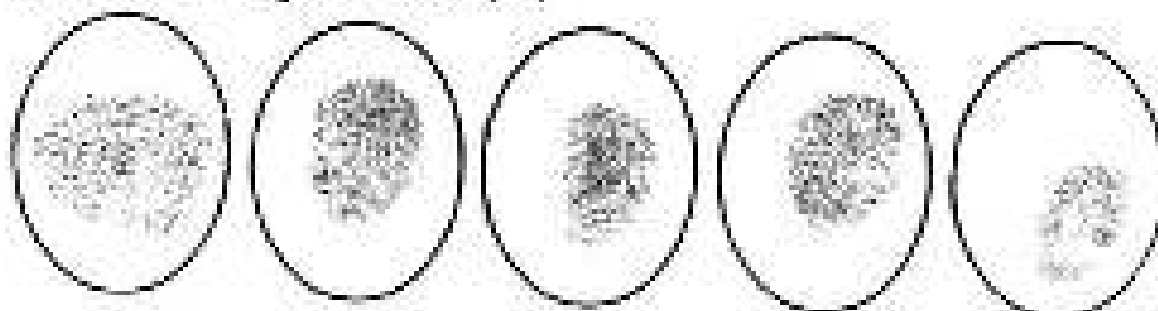
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिन्ट्स

अंगुलिचित्रिका के आ नाम व पता : श्री वि. लक्ष्मी प्रिन्टिंग प्रेस, 22/10/2023
10/10/2023

सबे दाएँ के अंगुलिचित्रों के चित्र :

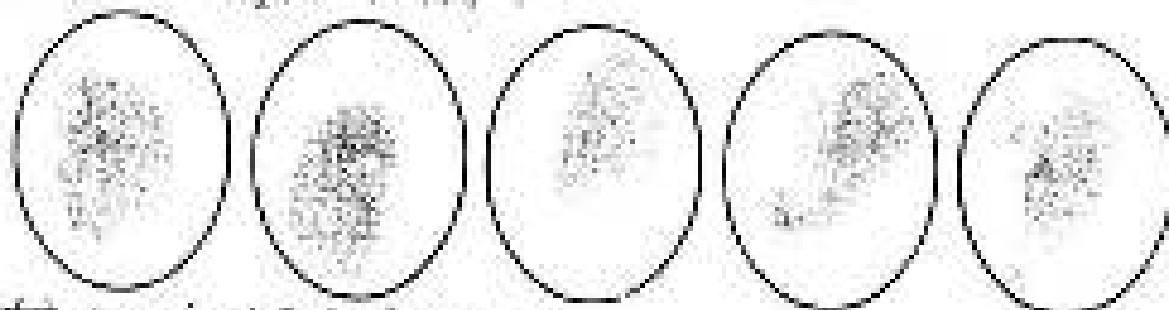


बाएँ दाएँ के अंगुलिचित्रों के चित्र :

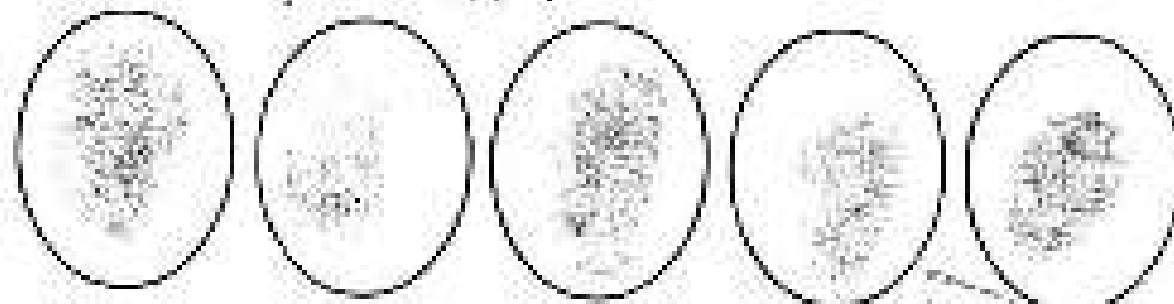


अंगुलिचित्रिका के नाम व पता : श्री वि. लक्ष्मी प्रिन्टिंग प्रेस, 22/10/2023
10/10/2023

सबे दाएँ के अंगुलिचित्रों के चित्र :



बाएँ दाएँ के अंगुलिचित्रों के चित्र :

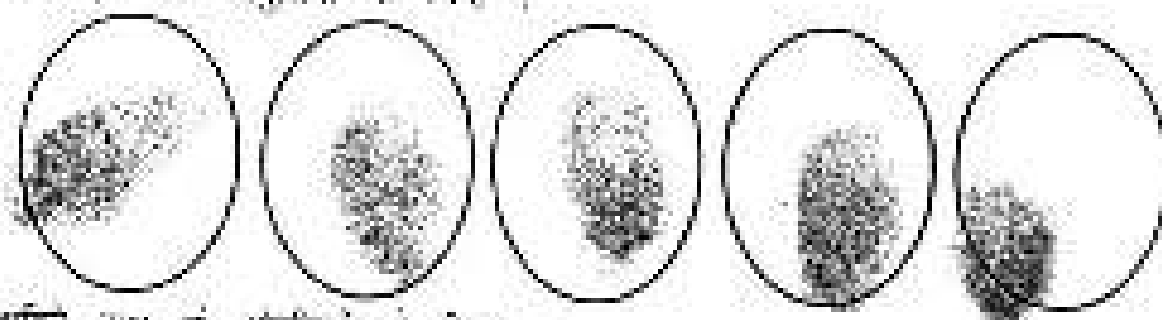


श्री वि. लक्ष्मी प्रिन्टिंग प्रेस, 22/10/2023

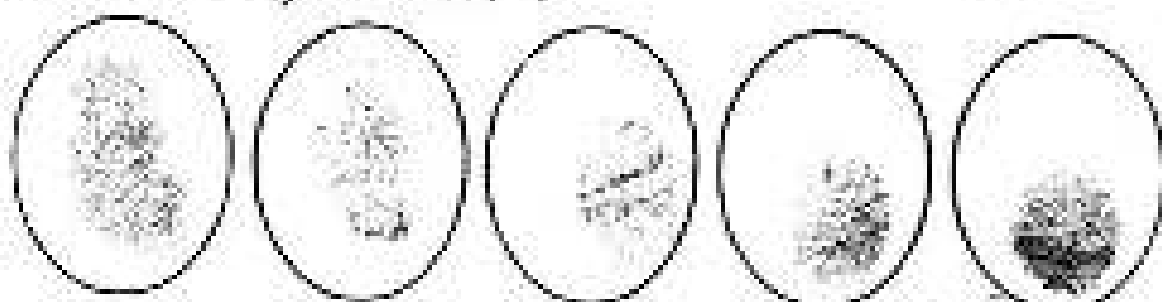
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिंट्स

प्रत्येक व्यक्ति/व्यक्ति का नाम व पता : सुखदेव शर्मा, निवासी, प्लॉट नं. 45, गुरुदासपुरा, दिल्ली-110008

बायें हाथ के अंगुलिओं के निम्न :

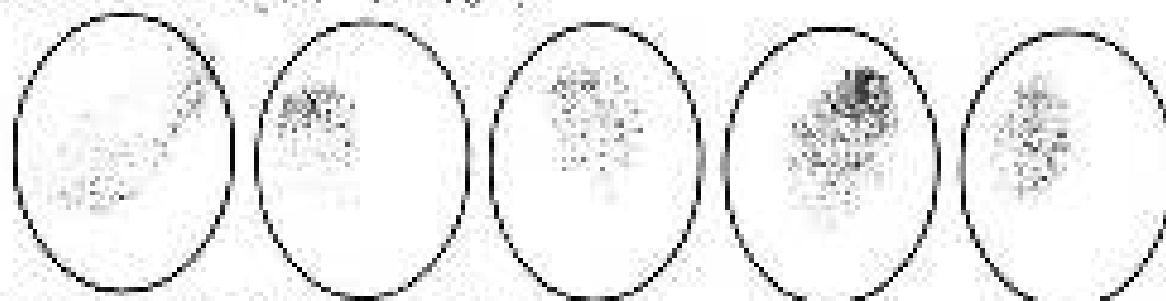


दाहिने हाथ के अंगुलिओं के निम्न :

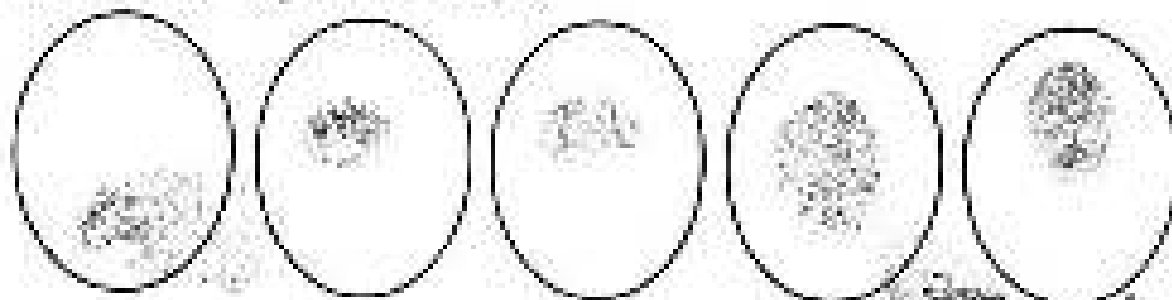


प्रत्येक व्यक्ति/व्यक्ति का नाम व पता : सुखदेव शर्मा, निवासी, प्लॉट नं. 45, गुरुदासपुरा, दिल्ली-110008

बायें हाथ के अंगुलिओं के निम्न :



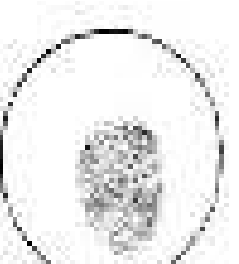
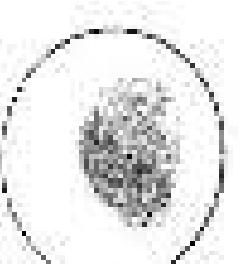
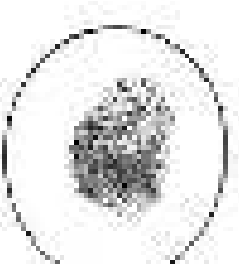
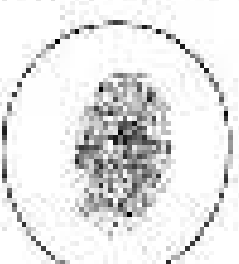
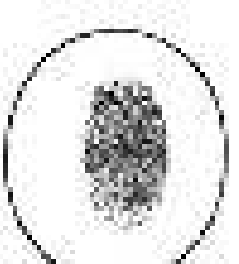
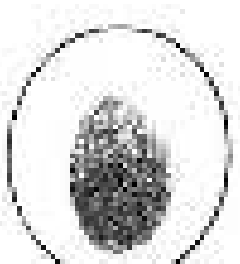
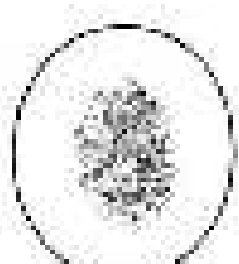
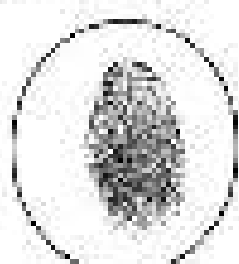
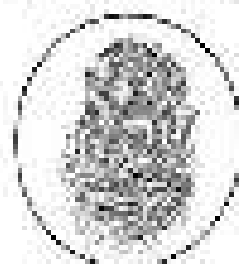
दाहिने हाथ के अंगुलिओं के निम्न :



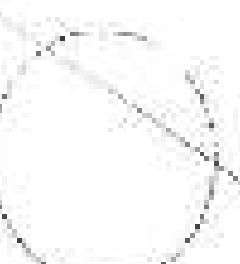
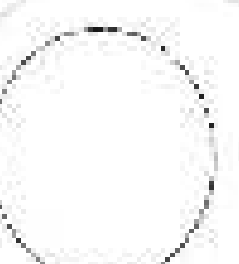
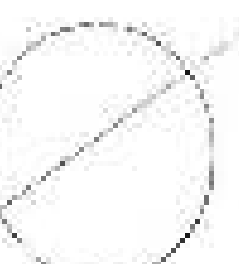
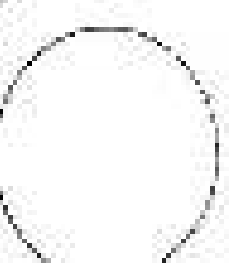
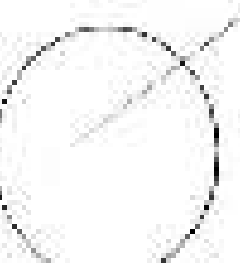
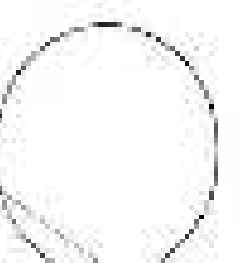
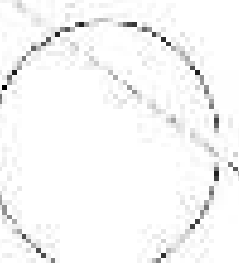
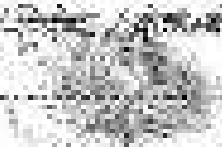
व्यक्ति का नाम व पता : सुखदेव शर्मा, निवासी, प्लॉट नं. 45, गुरुदासपुरा, दिल्ली-110008

पिंजारा पिंजरा

यहाँ हाथ के अंगुलियों से दिनु :-



पिठोता / फोटो नाम :-



११/११/२१
 ११/११/२१
 ११/११/२१
 ११/११/२१

(१) ११/११/२१
 ११/११/२१